7434 7294 5000Rs.

26.12.02

Stamp ... 8240
Principal Act ...
A.B.A. ... 4950
13140/-

1960.00
54.00
2014.00

250
94
3.44
2017.44

:- बिक्रय पत्र केवाला दस्तावेज -:

बिक्रेता :- श्री प्रफुल्ल चन्द्र मंडल, पिता स्व0 पंचु मंडल, जाति-सुमंडल, पेशा-खेती, साकिम-कोलाकुशमा, थाना एवं जिला-धनबाद, {भारतीय} ।

क्रेता :- श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव, पति श्री विनय कुमार श्रीवास्तव, जाति-कायस्थ, पेशा-गृहस्थी, साकिम-चिरागोड़ा हीरापुर, थाना - एवं जिला-धनबाद, {भारतीय} ।

005432/02

2314-2002-03

Smt Pushpa Srivastava

Chiragora Dhanbad

through ....

Non-Judicial / Court ~~fee stamp~~

of Rs 13,140=00 (5000x2+1000x3+100+20x2)

26/11/02

Acctt. / Stamp Clerk

District Treasury, Dhanbad

26/12/2002

धनबाद

प्रफुल्ल चन्द्र मंडल

स्व० पंचु मंडल

कोलाकुसमा - धनबाद - धनबाद

पेशा - खेती

26.12-02

प्रफुल्ल चन्द्र मंडल

26.12.2002

प्रफुल्ल चन्द्र मंडल

[illegible] मंडल

[illegible] मंडल

374
2411/02

प्रफुल्ल चन्द्र मंडल

26.12.02

375
2411/02

[illegible]

26.12.02

26.12.02

26.12.2002

:- 2 -:

बिक्रय पत्र {केवाला दस्तावेज} ।

मूल्य-98,000/- {अंठान्बें हजार रूपया मात्र} ।

सलाना मालगुजारी-75 पैसा मात्र ।

अंचल कार्यालय धनबाद ।

मालिक जमीन्दार झारखंड सरकार ।

बिबरण जायदाद :- जिला अवर निबंधन कार्यालय धनबाद,थाना धनबाद,अन्तर्गत "नारायणपुर उर्फ पिपराबेड़ा" मौजा में मेरा कायम रैयती स्वत्व की सम्पत्ति है ।

...3

005433/02

2314-2002-03
Smt Pushpa Srivastava
Chiragora Dhanbad.

13,140.00 (5000x2+1000x3+100+20x2)
26/11/02

26.12.02

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. | Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

26.12.2002

मौजा नारायणपुर उर्फ पिपराबेड़ा, मौजा नं0-13, खाता नं0-8, (आठ) प्लोट नं0-430, (चार सौ तीस) रकवा में से अपनाअंश में से 4 काट्ठा 4 छटाक (चार काट्ठा चार छटाक) यानि- 7.01 डिसमिल जमीन इस केवाला दस्तावेज द्वारा बिक्री किया जिसका लट नं0-49, है ।

जिसका चौहद्दी :-

उत्तर- श्रीमती आशा सिन्हा ।

दक्षिन- ग्रामीण रास्ता ।

पुरब- प्लोट नं0-513,

पश्चिम- लट नं0-48,

...4

1000Rs.

24.12.2002

उक्त जायदाद बिगत सार्वे सेटलमेंन्ट के समय बिक्रेता के - पु-पिता मह स्व0पानु मंडल के नाम पर्चा में दर्ज है, जिसका थोका नं0-8, में लगाण वसुल होती है ।

मुल एवं द्वितीयक दस्तावेज के साथ एक-एक प्रतिलिपि नक्शा नत्थी किया गया है, एवं बिक्रीत स्थान को लाल रंग से रंगाकर दर्शाया गया है ।

उपरोक्त सम्पत्ति बिक्री हेतू ज्ञापांक- 3446, दिनांक- 24.12.2002, को शहरी भू-हदबन्दी उप-समाहर्त्ता धनबाद से अनापत्ति निर्गत किया गया है ।

उक्त सम्पत्ति अंचल कार्यालय धनबाद,का ज्ञापांक-3129,दिनांक-22.10.02,के द्वारा भु-सत्यापन एवं मूल्य निर्धारण किया गया है ।

चुँकि बिबरण यह है कि बिक्रेता को सांसारिक खर्च के लिए रूपये की अति आवश्यकता आ पड़ी है । इसलिए बिबरण में दिये गये जाय-दाद बिक्री किये बिना रूपये की बन्दोवस्त होना कठीन था । इसलिए उपरोक्त जायदाद को बिक्री करने की घोषणा कि एवं क्रेता से प्रार्थना करने पर बिबरण में दिये गये जायदाद खरीदने को राजी हुवें, एवं दोनो पक्षो की मशवारा से उक्त जायदाद की मूल्य-98,000/- रूपया लेकर बिबरण में दिये गये जायदाद बिक्री कर हमेशा के लिए नि: स्वत्व हुवें,एवं क्रेता को दखलकार किया तथा दखल दिया ।

26.12.2002

:- 6 -:

बिक्रेता का जिस तरह का हक-अख्तीयार,दावी-दावा था,आज तारिख से क्रेता को हुआ । क्रेता,जायदाद पर मकान,आंगन,कुँआ,बगान-बगिचादि तैयार कर निज वसवास या किराया बन्दोवस्त कर अपनी ईच्छानुसार दान,बिक्री,रेहनादि मनमाना कर सकती है । इससे बिक्रेता या बिक्रेता के वंशज को कभी किसी तरह का वजुर या एतराज न होगा, अगर करें तो कानुनन बातिल और नामंजुर होगा ।

उपरोक्त जायदाद का दाखिल-खारिज के संबंध में बिक्रेता को जो कुछ भी क्रेता के मदद करना पड़े वह बिना वजुर करेंगें । बिक्री जायदाद की सलाना मालगुजारी मालिक जमीन्दार झारखंड सरकार को बराबर अदा देकर बिक्रेता के नाम कटवाकर क्रेता अपनी नाम से दाखिल-खारिज -

...7

करवा कर मालगुजारी की रसीद हासिल करेंगे ।

बिक्री जायदाद बिक्रेता के खास दखल में है, कभी किसी तरह का हस्तान्तरादि नहीं किया हुआ है । अगर भविष्य में किसी तरह का दाय-संयोग या हस्तान्तर आदि पाया जाय और उससे क्रेता या क्रेता के वंशज को क्षति पहुंचे तो बिक्रेता या बिक्रेता के वंशज को क्षतिपुरण का देनदार होगा या होंगे ।

अतः बिक्रेता अपना स्थिर बुद्धि एवं सरलता से बिचार कर मूल्य का पुरा रूपया पाकर एवं समझ-बुझकर यह बिक्रय पत्र केवाला दस्तावेज लिख दिया कि समय पर काम आवें ।

20 Rs.

प्रफुल्ल चन्द्र मंडल
26.12.2002

:- 8 -:

इति तारिख- 26-12-02

मैने दस्तावेज का प्रारूप बनाया एवं दोनो पक्षो को पढ़कर सुनाया एवं समझा दिया ।

Gurupodo Chatterjee
1/2-7/90
Dhanbad

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे कि हूबहू और सच्ची - प्रतिलिपि है ।

:- गवाहगण -:

॥1॥ (भैरव मंडल)
नारायणपुर
26.12.02

प्रफुल्ल चन्द्र मंडल

॥2॥ Pursottam Chatterjee.
Dhanbad.
26/12/02

टंकक:

SELLER: SRI PRAFULLA MONDAL S/O LATE PANCHU MONDAL OF VILLAGE KOLAKUSMA, P.S. DHANBAD. AT. PRESENT. P.S. SARAIDHELA. DHANBAD.

PURCHASER: SMT. PUSHPA SRIVASTAVA W/O SRI BINAY Kr. SRIVASTAVA, OF CHIRAGORA, DHANBAD,

SCHEDULE:- MOUZA-NARAINPUR ALIAS PIPRABERA No. 13. P.S. DHANBAD UNDER KHATA No. 8 PLOT No. 430(P) AREA 4 KATHA, 4 CHHATAK

SHOWN IN RED COLOUR

BUTTED & BOUNDED.

NORTH:- SMT. ASHA SINHA,

SOUTH:- VILLAGE ROAD.

EAST:- PLOT No. 513.

WEST:- LOT No. 48

SITE PLAN NOT TO SCALE

Scale:- 1" = 330'-0"

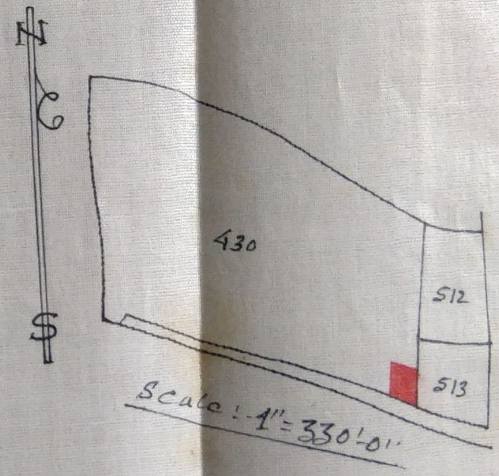

28.12.2002